उत्तर प्रदेश के सरकारी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों
का रचनात्मक आंदोलन

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

बालमन एक्सप्रेस

रेलगाड़ी

सितंबर - अक्टूबर, 2026



प्रधान संपादक
- शरद कुमार वर्मा

स्वस्तिका अवस्थी
कक्षा 11, सिंधी विद्यालय गर्ल्स इंटर
कॉलेज, लखनऊ

कबड्डी में प्रथम
मण्डलीय खेलकूद प्रतियोगिता - 2026

SCAN ME
Or Click Me

प्रधान संपादक की कलम से





प्रिय विद्यार्थियों,

क्या आपके मन में कभी यह सवाल उठता है कि कोई व्यक्ति कैसे प्रसिद्ध लेखक बन गया? उसने अपने जीवन में ऐसा क्या यत्न किया कि उसके अंदर रचनात्मक कार्य करने के गुण उत्पन्न हो गए। कुछ नया सृजन की क्षमता आ गई। कहा जाता है कि यदि एक पेज लिखना है तो आपको दस पेज पढ़ना होगा। अच्छा लेखक बनने के लिए पहले एक पाठक अर्थात पढ़ने वाला बनाना अति आवश्यक है। क्या कभी इस बात पर विचार करते है कि मैंने आज क्या कुछ नया पढ़ा ? यदि पढ़ा तो कितना समझ पाया? समझ पाया तो कितना कुछ अपने मन से लिखने का प्रयास किया?

आत्मसंतोष तभी मिलेगा जब हम अपने हृदय के भाव को कागज के पन्नों पर उकेरेंगे। मन प्रसन्न होगा और आपको शाबाशी देगा कि आप अभूतपूर्व कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं ।यह सब एक दिन में नहीं होगा लेकिन एक दिन अवश्य होगा। अपने आप पर विश्वास रखें।

जय शिक्षा, जय शिक्षक, जय शिक्षार्थी

शरद कुमार वर्मा

(स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के द्वारा पुरस्कृत कहानीकार)

एम .कॉम., एम.ए . (हिंदी ,अंग्रेजी) बी. एड. ,
पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा ,यू पी टी ई टी
शिक्षक, रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल
चारबाग, लखनऊ
मोबाइल नं 9838214110

शुभकामना संदेश



मैं सबसे पहले तो इतनी सुंदर पत्रिका रेलगाड़ी बालमन एक्सप्रेस के प्रकाशन के लिए इसके प्रधान संपादक अपने विद्यालय के शिक्षक शरद कुमार वर्मा की हृदय से प्रशंसा करता हूं।
मैं यह जानता हूं कि इस पत्रिका का नाम रेलगाड़ी रखना उन्हीं के मस्तिष्क की उपज है। वह रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल के अध्यापक हैं इसलिए उन्होंने पत्रिका का नाम रेलगाड़ी रखा , जो हमारे विद्यालय का प्रतिनिधित्व करती है। रेलगाड़ी का कार्य आप सबको आपस में जोड़ना और साथ लेकर
चलना है। जो इस पत्रिका का प्रमुख उद्देश्य है।
पत्रिका के माध्यम से छात्र एवं छात्राओं के रचनात्मक कार्यों का प्रकाशन हो रहा है। यह एक अभूतपूर्व कार्य है। जो निरंतर चलता रहे ऐसी मेरी शुभकामना है। पत्रिका की पूरी टीम को एक फिर बधाई। वह बहुत नेक काम कर रही हैं।

मैकू लाल सेन
प्रधानाचार्य
रेलवे हायर सेकेंडरी,स्कूल, चारबाग लखनऊ

रेलगाड़ी



बालमन एक्सप्रेस

संपादकीय टीम

प्रधान संपादक

शरद कुमार वर्मा

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

संरक्षक

शिव कुमार

संस्थापक - टीचर्स ऑफ बिहार

शिवेंद्र कुमार सुमन

टेक्निकल टीम लीडर- टीचर्स ऑफ बिहार



हमारा परिवार

TEAM



देश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी



टीचर्स का बिहार की राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित बच्चों की रचनात्मक और सृजनात्मक प्रतिभा को एक नया आयाम देता ई पत्रिका बालमन ।



उत्तर प्रदेश बालमन टीम द्वारा प्रकाशित रेलगाड़ी बालमन एक्सप्रेस उत्तर प्रदेश राज्य के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए श्री शरद कुमार वर्मा के नेतृत्व में प्रकाशित ई पत्रिका।



छत्तीसगढ़ बालमन टीम द्वारा प्रकाशित बालमन झरोखा छत्तीसगढ़ राज्य के बच्चों के लिए श्रीमति दीपिका श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रकाशित ई पत्रिका।



अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

1	प्रतिभा	प्लेटफार्म	7
2	कला जंक्शन	प्रतिभा	9
3	कहानी जंक्शन	परिश्रम का फल	11
4	चित्र	लेखन	12
5	विज्ञान	प्लेटफॉर्म	13
6	बाल	कलाकार	15
7	कहानी	यूनिफॉर्म	17
8	विज्ञान के सितारे	UP विशेष	18





सिंधी विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज ,
आलमबाग
लखनऊ की अनूठी पहल

हिंदी दिवस (14 सितंबर) पर
हिंदी में हस्ताक्षर करने का अभियान

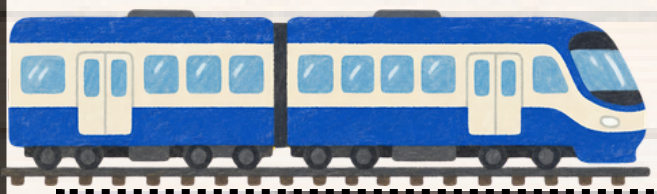
भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वभाषा अभियान के क्रम में विद्यालय में 'हस्ताक्षर हिन्दी में करें 'कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों में अपनी मातृभाषा हिन्दी के प्रति गौरव और सम्मान की भावना जागृत करना था।

प्राय: देखने में आता है कि हम अपनी दैनिक दिनचर्या में अंग्रेजी में हस्ताक्षर करते हैं, जबकि हमारी पहचान हमारी अपनी भाषा से है।इस अवसर पर बच्चों को समझाया गया कि हस्ताक्षर केवल नाम नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। विद्यालय के समस्त स्टाफ और बच्चों ने संकल्प लिया कि भविष्य में सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों, उपस्थिति पंजिका एवं अभिलेखों पर हिन्दी में ही हस्ताक्षर किए जाएंगे। कार्यक्रम में कक्षा के नन्हे-मुन्ने बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि भाषा का गौरव छोटी उम्र से ही संस्कारों में रोपा जा सकता है। यह छोटा सा प्रयास हिन्दी के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक सार्थक कदम है।

अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अनीता जी ने सभी को हिंदी भाषा में हस्ताक्षर के महत्व के बारे में बताया । इस हस्ताक्षर क्रम में विद्यालय की नीति श्रीवास्तव , अर्चना बाजपेई, निशी श्रीवास्तव , मीरा चंदानी , श्वेता सावलानी, अनुपमा डाली आदि सभी शिक्षिकाओं ने हिंदी में हस्ताक्षर कर विद्यार्थियों में हिंदी में कार्य करने के प्रति उत्साह जागृत किया।जय हिन्द, जय हिन्दी।

- निशी श्रीवास्तव, शिक्षिका

प्रतिभा का प्लेटफार्म





कनिष्का ,कक्षा 7



पायल ,कक्षा 8



आरोही
कक्षा 4



जितेंद्र कुमार
कक्षा 4



आराधना
कक्षा 8

बेसिक विद्यालय कम्पोजिट, अर्जुन गंज, लखनऊ

कला जंक्शन











नन्ही चित्रकार - विदुषी
सिंधी विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज, आलमबाग लखनऊ

मैंने गुब्बारों से बनाई तस्वीर

- आरजू खान,कक्षा 4
सिंधी गर्ल्स विद्यालय इंटर कॉलेज, लखनऊ

बहुत दिनों से मेरे मन में कुछ अलग ड्राइंग बनाने की इच्छा थी। एक दिन स्कूल में मैम ने कहा किआरजू तुम एक अच्छी कलाकार हो। इस बार तुम सबसे अलग और मित्रता की भावना जगाने वाली पेंटिंग बनाओ।

एक दिन घर पर मेरा छोटा भाई गुब्बारों से खेल रहा था तब मेरे मन एक आइडिया आया कि क्यों न इस बार बैलून की सहायता से कलाकारी की जाये बहुत बहुत सोंचा फिर जो मेरे मन में जो आया,उसी को साकार करने में जुट गई । यह कभी- कभी लगता था कि मैंने कठिन रास्ते का चुनाव किया। लेकिन फिर भी महनत से लगी रही और बना दी गुब्बारे से फ्रेंडशिप पिक्चर।



माई के दुआरे

कीर्ति विश्वकर्मा
कक्षा 7
रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल
चारबाग, लखनऊ





परिश्रम का मीठा फल

एक गाँव में दो दोस्त रहते थे - अर्जुन और करण।
दोनों के पास एक-एक खेत था, बिल्कुल आस-पास।
एक साल गाँव के मुखिया ने ऐलान किया, जो सबसे मीठा आम उगाएगा, उसे इनाम में 10,000 रुपये मिलेंगे।
करण बोला - "अरे इसमें कौन सी बड़ी बात है, बस पौधा लगा दो, आम तो अपने आप आ जाएगा।" उसने एक आम का पौधा लगाया और सोचा अब काम खत्म। दिन भर इधर-उधर घूमता, दोस्तों के साथ टाइमपास करता।
वहीं अर्जुन ने अलग सोचा। उसने रोज़ सुबह उठ के पौधे को पानी देना, खाद देना, खरपतवार निकालना, तेज़ धूप में उसके आस-पास छोटी सी बाड़ लगाना - सब खुद किया। लोग हँसते कि इतनी मेहनत एक पौधे के लिए?
6 महीने बाद परिणाम आया।करण के पौधे पर सिर्फ 2-3 छोटे, खट्टे आम लगे। और अर्जुन के पेड़ पर गुच्छे के गुच्छे, रसीले और मीठे आम।इनाम किसको मिला? अर्जुन को।
मुखिया ने तब सबके सामने कहा - "किस्मत बीज देती है, लेकिन उस बीज को पेड़ बनाना परिश्रम का काम है। फिर करण ने पूरी मेहनत की और उसका खेत भी फसलों से लहराया ।



-अमीर हमजा खान,
कक्षा 6 ब
लखनऊ मोंटेसरी इंटर कॉलेज,
पुराना किला, लखनऊ

चित्र – लेखन



मुस्कुराते भाई-बहन

****

भैया मुस्काए,
बहना मुस्काए,
देखो देखो दोनों के
मोती दांत चमकाए।
हाथ पकड़ कर चलते
हैं,
साथ में खूब हंसते हैं
प्यारे -प्यारे भाई बहन
सबको बहुत लुभातेहै।

साबरी दास
कक्षा- 4 ,
बेसिक विद्यालय, अर्जुन गंज
लखनऊ

छोटे-छोटे दो सितारे

****

कक्ष संख्या चार के आगे,
खड़े हैं दो नन्हे प्यारे।
भूरी फ्रॉक, भूरी पैंट में,
लगते जैसे दो सितारे।।

लाल चेक शर्ट, टाई सजीली,
मुस्कान में है जादू निराला।
एक चोटी बांधे बिटिया,
साथ में छोटा भाई मतवाला।।

न पुरानी दीवारों का गम,
न टूटी फर्श की चिंता।
आँखों में बस एक ही सपना,
हम भी खूब पढ़ेंगे, लिखेंगे।।

ये मुस्कान ही तो है देश की,
सबसे बड़ी पूँजी सारी।
इनके हाथों में ही कल है,
इनसे ही है दुनिया प्यारी।।

- निशी श्रीवास्तव, शिक्षिका
सिंधी गर्ल्स इंटर कॉलेज, आलमबाग
लखनऊ

विज्ञान प्लेटफार्म

ऐसे मिलेगा शुद्ध पेयजल



– कुणाल, कक्षा 8 ,
इंडस्ट्रियल इंटरमीडिएट कॉलेज, लखनऊ

शुद्ध पेय जल हमारे जीवन के नितांत आवश्यक है । इसलिए मैंने दूषित जल को साफ करने के लिए मै जो विधि अपनाई उसे विज्ञान की भाषा में निस्यंदन रीति कहा जाता है। इसके अंतर्गत गदे पानी को कंकड़ , कोयले, बालू आदि से गुजारा जाता है। कंकड़ बड़े कचरे को रोकने हेतु , कोयला गंदगी और रसायनों को सोखता । जिसके पश्चात बालू महीन कणों को रोकने का काम करता है। जिसके बाद मिलता है हमें शुद्ध पीने योग्य जल।



ताइक्वांडो में सिल्वर मेडल मिला



रिया कश्यप, कक्षा 10
सिंधी विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज
आलमबाग लखनऊ

युवराज कुमार
कक्षा 8
मिडिल स्कूल, हसपुरा, औरंगाबाद

गतिविधियां

बापू की शिक्षा



शैलेंद्र कुमार शुक्ला, शिक्षक
इंडस्ट्रियल इंटरमीडिएट कॉलेज लखनऊ
अपने विद्यार्थियोंके साथ

मिट्टी से बनाई गणपति बप्पा की मूर्ति

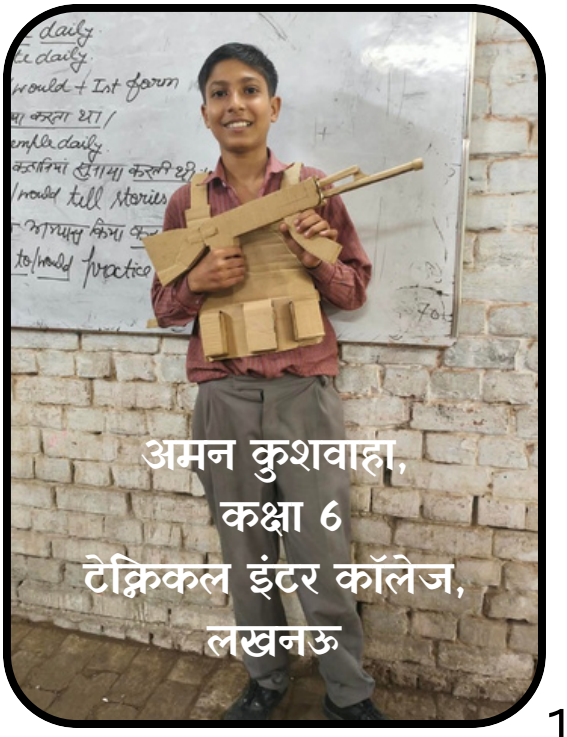


पलक पाण्डेय
कक्षा 8,
इंडस्ट्रियल इंटरमीडिएट कॉलेज,
लखनऊ

विकसित भारत की परिकल्पना



पलक सिंह ,कक्षा 12 ,
टेक्निकल इंटरमीडिएट कॉलेज लखनऊ



अमन कुशवाहा,
कक्षा 6
टेक्निकल इंटर कॉलेज,
लखनऊ

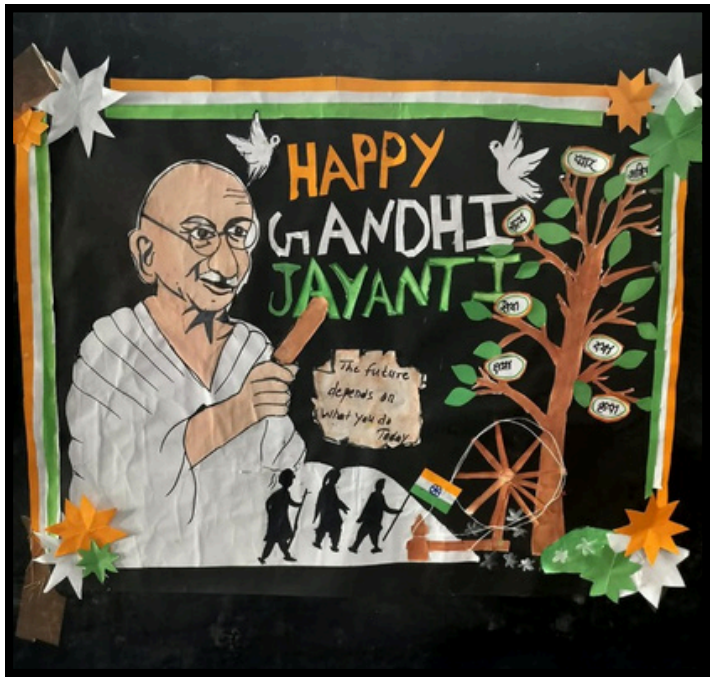
मैंने खुद बनाई बंदूक

बाल कलाकार

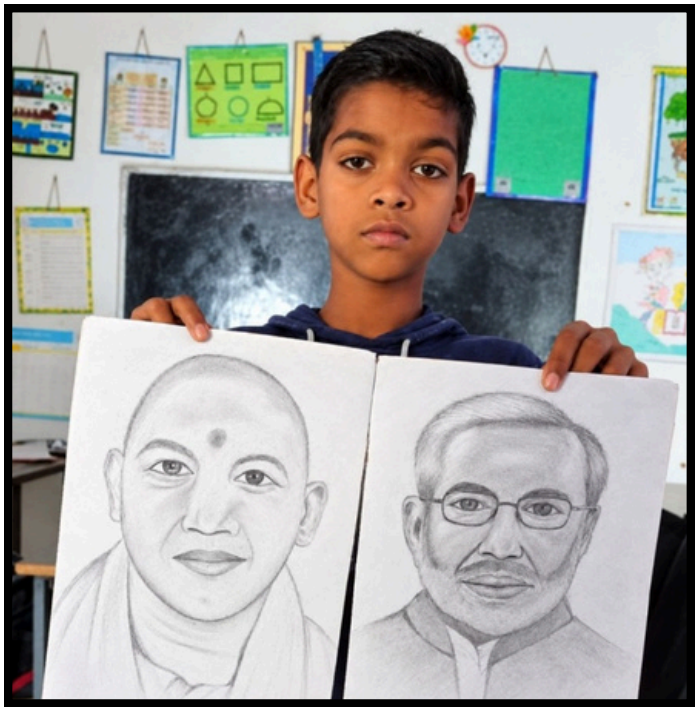




खुशी रावत, कक्षा 4
बेसिक विद्यालय, अर्जुनगंज, लखनऊ



नैना, कक्षा 5,
सिंधी गर्ल्स विद्यालय इंटरकॉलेज, लखनऊ



हिमांशु यादव, कक्षा 5, बेसिक विद्यालय,
अर्जुनगंज, लखनऊ





सिद्ध बाबा इंटर कालेज ,शरह, बरौलिया बदायूं में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर ड्राइंग, पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने विकसित भारत के अपने सपनों को खूबसूरती से चित्रों और शब्दों में उतारा। चयनित सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

प्रतियोगितायों के सफल संचालन में नीरज चौहान,विप्लव भारती,रामौतार मौर्य अनमोल उपाध्याय सहित समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

मेरे सपनों का भारत



प्रस्तुति- राजकुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, सिद्ध बाबा इंटर कॉलेज, बदायूं



कहानी - यूनिफार्म

उस दबह से ही स्वप्निल कुछ उदास था। खोया-खोया सा। प्रार्थना की घण्टी बजी। बच्चे चहकते हुए बाहर आए और प्रार्थना स्थल पर एकत्र हो गए। सभी बच्चे लाइन अप होकर खड़े हो गए। खेल शिक्षक महोदय ने कमांड दिया और सभी आँख बंद कर प्रार्थना करने लगे।

स्वप्निल का मन प्रार्थना में नहीं लग रहा था। वह बार-बार आँख खोलकर देखता था। थोड़ा सा गर्दन घुमाकर इधर-उधर देखने का प्रयत्न भी कर रहा था। मानो उसकी आँखें किसी को खोज रही हों। वह लाइन में एक कद में ऊँचे बच्चे के पीछे खड़ा था। इससे उसे थोड़ी राहत मिल रही थी।

अचानक उसे कड़कती आवाज सुनायी दी,"ओवर।"

स्वप्निल ने हड़बड़ाकर आँख खोली। बच्चे कक्षाओं में जा रहे थे। स्वप्निल का मन कहीं भाग जाने का हो रहा था। न तो वह कक्षा में जाना चाहता था और न घर। वह धीरे-धीरे मैदान के किनारे एक इमली के पेड़ के पीछे जाकर छुप गया।

स्वप्निल पेड़ के पीछे बैठे-बैठे कब सो गया उसे पता ही नहीं चला। "स्वप्निल" अपना नाम सुनकर उसकी आँख खुली और वह बिजली की फुर्ती से उठकर खड़ा हो गया। सामने कक्षा शिक्षक शर्मा सर खड़े थे। "तुम यहाँ क्या कर रहे हो? कक्षा में क्यों नही आए!", शर्मा सर ने पूँछा। स्वप्निल डर के मारे काँप रहा था। उसे शब्द नहीं सूझ रहे थे।

उसने बोलने का प्रयत्न किया,"सररर...प्लीज" पर उसका गला रुंध गया। आंखों से लगातार आँसू भ रहे थे।

तभी शर्मा सर ने उसके सिर पर हांथ फेरा और बोले,"कोई बात नहीं स्वप्निल। रिलैक्स। मुझे सब पता है। मैं आज सुबह तुम्हारे घर होते हुए ही विद्यालय आया हूँ। तुम निकल चुके थे। तुम्हारी माँ से बात हुयी तो ज्ञात हुआ कि तुम्हारे पिता की तबियत सही नहीं है। उनका इलाज चल रहा है और इसीलिए तुम्हारी यूनिफार्म की व्यवस्था नहीं हो सकी है।" स्वप्निल थोड़ा सा रिलैक्स हुआ। उसने कुछ बोलने का प्रयत्न किया पर शर्मा सर ने कहा,"स्वप्निल तुम परेशान मत हो। हमने तुम्हारे लिए यूनिफार्म की व्यवस्था कर दी है। अब तुम्हें डरकर कक्षा छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। और हाँ आगे से किसी तरह की कोई समस्या हो तो मुझसे बेझिझक बोल सकते हो।" "एक बात और स्वनिल!" सर ने आगे कहा," शिक्षक बहुत बार अनुशासन हेतु कक्षा में बच्चों को चेतावनी देते हैं, धमकाते हैं। पर उनका उद्देश्य यह नहीं होता कि बच्चे डर जाएं और कक्षा में ही न आएं।" स्वप्निल की आँखों में खुशी के आँसू थे। उसे अपने कानों पर विश्वास ही नही हो रहा था। वह आज शर्मा सर का अलग ही रूप देख रहा था।



- अनुपम तिवारी (अंग्रेजी शिक्षक)
टेक्निकल इंटरमीडिएट कॉलेज लखनऊ

उत्तर प्रदेश की धरती के विज्ञान के सितारे

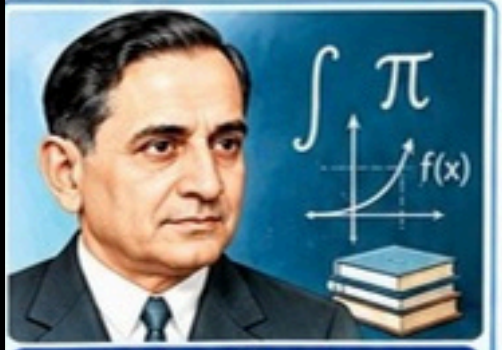
उत्तर प्रदेश

विज्ञान से विकास की उत्तर प्रदे

रेलगाड़ी बालमन एक्सप्रेस

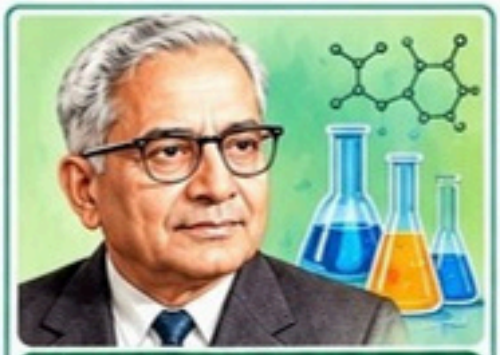
ज्ञान • अनुसंधान • नवाचार • समृद्ध उत्तर प्रदेश

सामान्य ज्ञान



डॉ. हरिश्चंद्र

- **जन्मस्थान :** मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)
- **क्षेत्र :** गणित
- **प्रमुख योगदान:** हार्मोनिक विश्लेषण और रिप्रेजेंटेशन थ्योरी में महत्वपूर्ण कार्य। वे गणित के विश्वप्रसिद्ध विद्वानों में से एक थे।



प्रो. शांति स्वरूप भटनागर

- **जन्मस्थान :** चंदौली (उत्तर प्रदेश)
- **क्षेत्र :** रसायन विज्ञान
- **प्रमुख योगदान:** वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका। भारत सरकार द्वारा उनके नाम पर 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग' में प्रतिष्ठित पुरस्कार' शुरू किया गया।



डॉ. यशपाल

- **जन्मस्थान :** आगरा (उत्तर प्रदे
- **क्षेत्र :** भौतिकी एवं खगोलीय वि
- **प्रमुख योगदान:** अंतरिक्ष विज्ञा और विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान। वे भारतीय विज्ञान संस्थान के संस्थापक निदे में से एक थे।



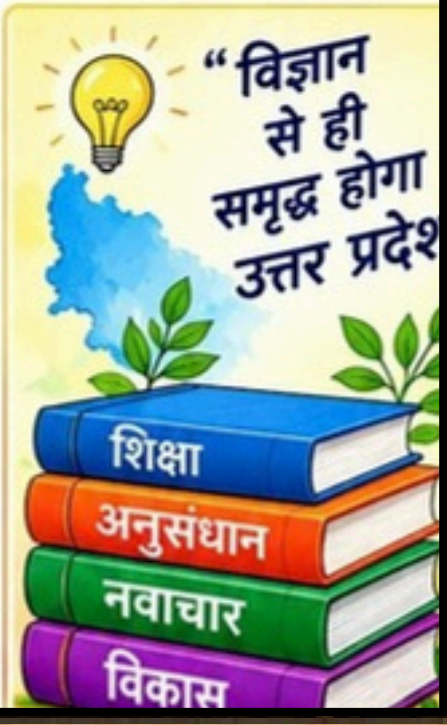
डॉ. हरगोविंद खुराना

- **जन्मस्थान :** रायबरेली (उत्तर प्रदेश)
- **क्षेत्र :** जैव रसायन / आनुवंशिकी
- **प्रमुख योगदान :** आनुवंशिक कोड पर महत्वपूर्ण शोध। उन्हें 1968 में चिकित्सा एवं शरीर क्रिया विज्ञान



प्रो. सतीश धवन

- **जन्मस्थान :** श्रीनगर (उत्तर प्रदेश)
- **क्षेत्र :** एयरोस्पेस एवं अंतरिक्ष विज्ञान
- **प्रमुख योगदान :** ISRO के अध्यक्ष रहे और भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका



रेलगाड़ी पहुंची मथुरा

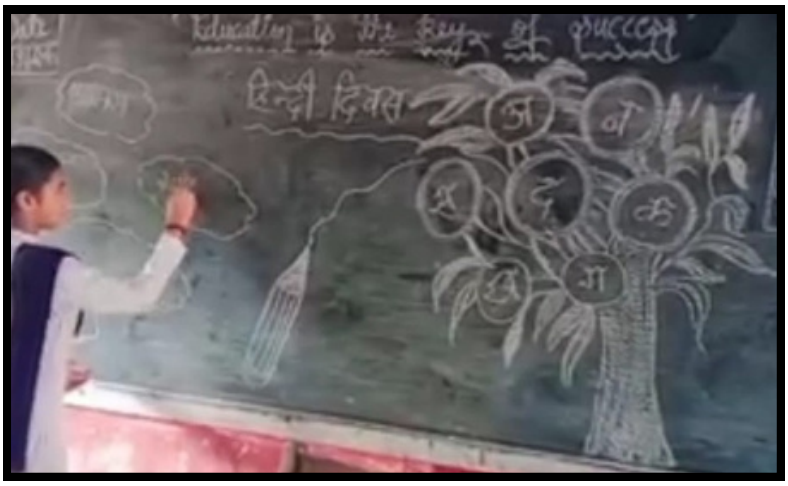


प्रस्तुति- जितेंद्र मिश्रा,
प्रधानाचार्य,

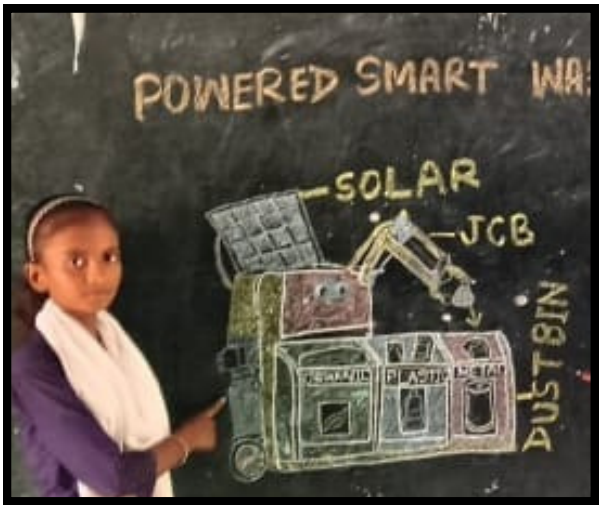
श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज
महावन, मथुरा

हमारे कॉलेज की कक्षा 11 की छात्रा पद्माक्षी ने भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह एक तहसील स्तरीय प्रतियोगियों थी।

श्यामपट्ट कार्य



स्वस्तिका अवस्थी
कक्षा 11

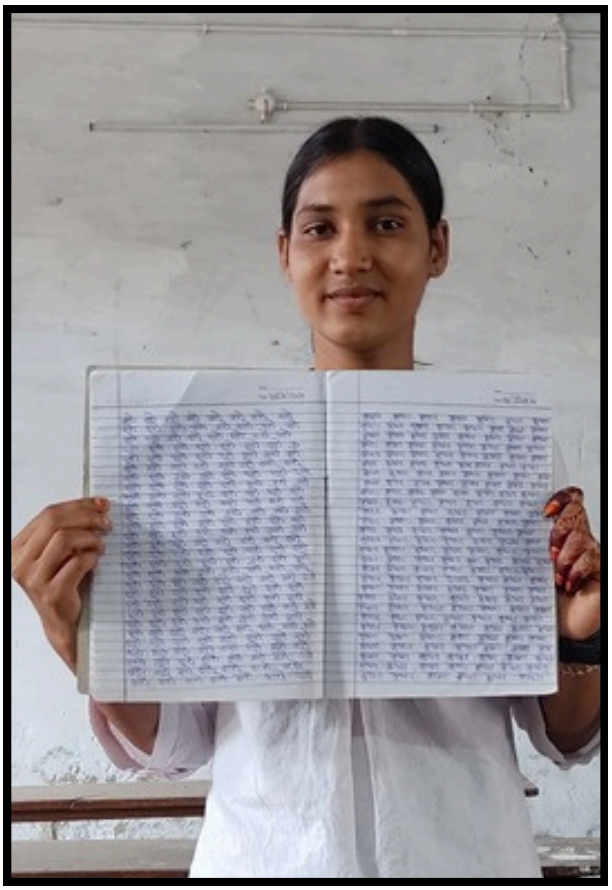


कु. सुधालता सिन्हा

इनसे मिलिए

यह हमारा हिंदुस्तान है

इनका नाम सोफिया फातिमा है। यह उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक सरकारी विद्यालय में कक्षा 10 की छात्रा हैं। विशेष बात यह है कि यह बालिका अपने में आत्मविश्वास के विकास के लिए अपनी कॉपी पर कृष्ण- कृष्ण और राधे- राधे का नित्य लिखित जप करती है। उसका कहना है उसके ऐसा करने उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उसकी यह भावना धर्म की संकीर्ण सीमाएं तोड़कर समाज को एकता के गंगा, यमुना जैसा निर्मल प्रेम और सद्भावना का संदेश देती है। यह हमारा हिंदुस्तान है।



कविता

पापा जी खाते टमाटर- आलू

पापा जी खाते टमाटर- आलू ,
मम्मी जी पालक का साग ।
बड़े भैया को पसंद है भिंडी,
मुझे मटर पनीर से अनुराग ।।
अलग-अलग है सब्जियां
अलग-अलग है उसका स्वाद
घर में अगर न हो कोई तरकारी
तो आलू सदा ही जिंदाबाद।।

- शरद कुमार वर्मा, लखनऊ

तस्वीरों में बापू

सिंधी गर्ल्स विद्यालय इंटर कॉलेज लखनऊ के विद्यार्थियों का रचनात्मक कार्य











विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर तराशता हैं

रेलगाड़ी



मोहम्मद सैफ, कक्षा 9 ,
बाबा ठाकुरदास इंटर कॉलेज,
लखनऊ



कला शिक्षक- गोपाल शर्मा

अधिकांशत यही देखा जाता है कि खेल, कला संगीत और साहित्य आदि के क्षेत्र में प्रतिभावान बच्चों में जन्मजात यह गुण पाया जाता है। विद्यालय और उसके आसपास का वातावरण उस योग्यता एवं क्षमता को और अधिक विकसित करता है साथ ही उसमें निखार लाता है। इसलिए हम शिक्षकों को ऐसे विद्यार्थियों को पहचानकर उनके उन गुणों को तराशना चाहिए। ऐसा मानना है बाबा ठाकुरदास इंटर कॉलेज के कला अध्यापक गोपाल शर्मा जी का। वे विद्यालय में समय- समय पर ऐसे अवसर आयोजित करते हैं।अपने कलाप्रेमी विद्यार्थियों को प्रेरित करने, मार्गनिर्देशन देने और हर संभव सहयोग करते हैं ताकि उन्हें उनका मुकाम मिल सके।



दशानन

**स्निग्धा सक्सेना,
बरेली ने इसे बनाया है**

रेलगाड़ी

बालमन एक्सप्रेस



पत्रिका के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए दिए गए आईकॉन पर क्लिक करे।

आपको यह अंक अच्छा लगे तो अधिक से अधिक राज्य के अन्य प्राथमिक/मध्य/उच्च विद्यालय तक शेयर करे।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करे

9838214110

7250818080